नीपको ज्योति

18 वाँ अंक, सितम्बर, 2023

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

North Eastern Electric Power Corporation Limited

कारपोरेट कार्यालय, शिलांग

Corporate Office, Shillong

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति,शिलांग-2

सत्यमेव जयते

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति शिलांग-2

(संयोजक : भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, शिलांग)

प्रमाणित किया जाता है कि

उत्तर पूर्वी विद्युत शक्ति निगम लिमिटेड, शिलांग ने

वर्ष 2021-22 में राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य किया एवं उपक्रम समूह में

द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हमें विश्वास है कि इसी तरह भविष्य में भी राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन तथा प्रचार–प्रसार में आपका कार्यालय अपनी अहम भूमिका निभाएगा।

शुभकामनाओं सहित,

उप निदेशक (प्रभारी)एवं कार्यालय प्रधान
गृह मंत्रालय ,राजभाषा विभाग
क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्वोत्तर क्षेत्र), गुवाहाटी

अध्यक्ष (नराकास) एवं उप महाप्रबंधक (व्यवसाय व परिचालन)
भारतीय स्टेट बैंक प्रशासनिक कार्यालय, शिलांग

दिनांक : 28.04.2023

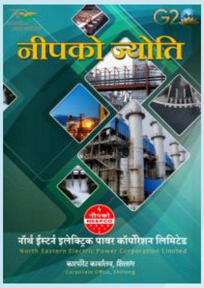

नीपको ज्योति

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

मुख्य संरक्षक :
श्री गुरदीप सिंह
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)

संरक्षक :
मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम (सेवानिवृत्त)
निदेशक (कार्मिक)

उपदेष्टा :
श्री अटल अमर प्रभात कुजूर
महाप्रबंधक (मा.सं.), राजभाषा

सम्पादक मण्डल :
श्री एन. के. मैतै, उप-महाप्रबंधक (मा.सं.)
श्री अरूण कुमार प्रधान, प्रबंधक (हिन्दी)

सम्पादन सहयोग :
श्री महेश कुमार शर्मा, सहायक हिन्दी अधिकारी
श्री तरुन कुमार, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक-I

पत्राचार का पता :
नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड
ब्रुकलैण्ड कम्पाउण्ड, लोअर न्यू कालोनी, शिलांग – 793003

** इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों एवं कविताओं आदि में व्यक्त विचार संबंधित लेखक के हैं। नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड एवं संपादक मंडल का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।*

** पत्रिका में शामिल किए गए कुछ चित्र इंटरनेट से साभार लिए गए हैं।*

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

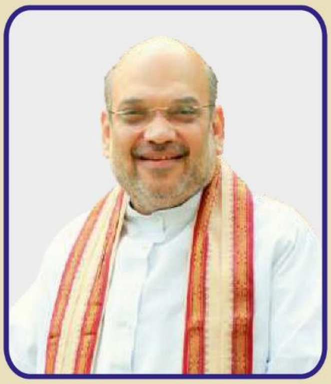

प्रिय देशवासियो!

आप सब को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत भाषिक विविधता का देश रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम **'हिंदी'** है। हिंदी भाषा अपनी प्रवृत्ति से ही इतनी जनतांत्रिक रही है कि इसने भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ–साथ कई वैश्विक भाषाओं को यथोचित सम्मान देते हुए उनकी शब्दावलियों, पदों, वाक्य विन्यासों और वैयाकरणिक नियमों को आत्मसात किया है।

हिंदी भाषा ने स्वतंत्रता आन्दोलन के मुश्किल दिनों में देश को एकता के सूत्र में बाँधने का अभूतपूर्व कार्य किया। अनेक भाषाओं और बोलियों में बँटे देश में ऐक्य भावना से पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक स्वतंत्रता की लड़ाई को आगे बढ़ाने में संवाद भाषा हिंदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इसीलिए, लोकमान्य तिलक हों, महात्मा गांधी हों, लाला लाजपत राय हों, नेताजी सुभाषचंद्र बोस हों, राजगोपालाचारी हों; हिंदी के शुरुआती पैरवीकारों में बहुसंख्यक उन प्रदेशों के लोग थे, जिनकी मातृभाषाएँ हिंदी नहीं थीं।

किसी भी देश की मौलिक सोच और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा में ही की जा सकती है। प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने लिखा है कि, **"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति कौ मूल।"** यानि कि, अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल है। राष्ट्र की पहचान इस बात से भी होती है कि उसने अपनी भाषा को किस सीमा तक मजबूत, व्यापक एवं समृद्ध बनाया है। यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी और लिपि के रूप में देवनागरी को अपनाया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय से वैश्विक मंचों तक यथोचित सम्मान मिला है। हमारी सभी भारतीय भाषाएँ और बोलियाँ हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं।

अपनी भाषा में सुनी हुई अवांछनीय बातें भी बहुत बुरी नहीं लगती। कवि **विद्यापति** की शब्दावली में कहूँ तो **'देसिल बयना सब जन मिट्ठा'** यानि देशी भाषा सभी जनों को मीठी लगती है। गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयत्नशील है कि शहद सामान मीठी भारतीय भाषाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से अत्याधुनिक और वैज्ञानिक प्रयोग के अनुकूल उपयोगी बनाया जा सके।

सरकार और जनता के बीच भारतीय भाषाओं में संवाद स्थापित कर जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी तौर पर लागू किया जा सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जन–जन तक उनकी ही भाषा में उनके हित की बात पहुँचाकर आदर्श लोकतंत्र के निर्माण का सबसे अच्छा उदाहरण हो सकता है। राजभाषा विभाग ने इसी उद्देश्य से राजभाषा हिंदी के प्रयोग को सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से सहज बनाने की दिशा में काम करते हुए स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली **'कंठस्थ'** का निर्माण और विकास किया है। फिजी में संपन्न 'विश्व हिंदी सम्मेलन' में **'न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन'** के साथ इसके नए वर्जन (कंठस्थ 2.0) के मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण भी किया गया है।

राजभाषा विभाग की एक नई पहल **'हिंदी शब्द सिंधु'** शब्दकोश का निर्माण है। इस शब्दकोश में संविधान की 8वीं अनुसूची में अधिसूचित भारतीय भाषाओं के शब्दों को शामिल कर इसे निरंतर समृद्ध किया जा रहा है। साथ ही, विभाग ने **'लीला हिंदी प्रवाह'** मोबाइल ऐप भी तैयार किया है, जिसे अपनाकर विभिन्न भाषा–भाषी 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से अपनी–अपनी मातृभाषाओं से स्तरीय हिंदी निःशुल्क सीख सकते हैं।

भाषा परिवर्तन का सिद्धांत यह कहता है कि भाषा जटिलता से सरलता की ओर जाती है। मेरे विचार से हिंदी के सरल और सुस्पष्ट शब्दों को कार्यालयी कामकाज में प्रयोग में लाना चाहिए। टिप्पणी, पत्राचार, ई–मेल, विज्ञप्ति आदि के लिए आम बोलचाल के शब्दों व वाक्यों के प्रयोग से हिंदी के प्रयोग का चलन बढ़ेगा।

हमारे लिए हिंदी का प्रश्न सिर्फ एक भाषा का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान व सांस्कृतिक गौरव का विषय है। मुझे विश्वास है कि राजभाषा विभाग के उपरोक्त प्रयासों से सभी मातृभाषाओं को आत्मसात करते हुए लोकसम्मत भाषा हिंदी विज्ञानसम्मत व तकनीकसम्मत होकर संपन्न राजभाषा के रूप में स्थापित होगी।

पुनश्च, आप सब को हिंदी दिवस की अनंत शुभकामनाएं।

(अमित शाह)

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2023

आर. के. सिंह
R. K. SINGH

सत्यमेव जयते

विद्युत मंत्री एवं
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Power and
Minister of New & Renewable Energy
Government of India

अपील

आप सबको हिंदी दिवस की बहुत-बहुत बधाई।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गत नौ वर्षों में राजभाषा हिंदी ने न पहचान केवल भारत में वरन् विश्व में भी एक विशिष्ट भाषा के रूप में अपनी पहचान बनाई है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् पहली बार वैश्विक राजनय में हिंदी को धार्मिक, सांस्कृतिक तथा राजनैतिक परंपराओं की जोड़ने की कड़ी और अधिकांश नागरिकों द्वारा बोली एवं समझी जाने वाली हिंदी भाषा को अपना वांछित स्थान प्राप्त हो रहा है।

भारत में हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो आम जनता की संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने में पूर्णतः समर्थ है। हिंदी ने अपनी मौलिकता, सरलता और बोधगम्यता के बल पर भारतीय संस्कृति और साहित्य को सहेज रखा है। हिंदी भाषा के माध्यम से ही हम सभी भारतवासी एक सूत्र में बंधे हुए हैं।

मेरी इच्छा है कि पूरे देश में फैले विद्युत मंत्रालय और इसके सभी नियंत्रणाधीन उपक्रमों और कार्यालयों में कार्यरत् सभी अधिकारी और कर्मचारी नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भारत की अन्य सभी भाषाओं के शब्दों का अपने रोजाना के कामकाज के दौरान हिंदी में कार्य करते हुए प्रयोग करें । इससे राजभाषा हिंदी भारत के सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सकेगी। इससे गैर-हिंदी भाषी लोगों को भी हिंदी में कार्य करने की स्व-प्रेरणा मिलेगी। राष्ट्रीय एकता और अखंडता को भी बल मिलेगा और सबसे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि निकट भविष्य में हिंदी सही अर्थों में न केवल राजभाषा वरन् राष्ट्रीय भाषा का गौरव भी हासिल करने की ओर अग्रसर होगी।

एक बार पुनः आप सबको हिंदी दिवस की बहुत-बहुत बधाई।

(आर.के.सिंह)
13/9/23

Shram Shakti Bhawan, New Delhi-110 001 Phone : +91-11-23717474, 23710411
Fax : +91-11-23710065, E-mail : raj.ksingh@gov.in

कृष्ण पाल गुर्जर
KRISHAN PAL GURJAR

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

केंद्रीय राज्य मंत्री,
विद्युत और भारी उद्योग मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली
UNION MINISTER OF STATE FOR
POWER AND HEAVY INDUSTRIES
GOVERNMENT OF INDIA, NEW DELHI

अपील

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी लोगों को मेरी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

किसी भी राष्ट्र को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में लाने के लिए उस राष्ट्र की भाषा का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। यह पूरे देश को जोड़ने में एक कड़ी का कार्य करती है। राष्ट्रीय एकता के लिए भी आपसी संवाद का एक माध्यम होना जरूरी है। विश्व के सभी विकसित राष्ट्र अपनी राष्ट्रभाषा में ही कार्य करते हुए विकसित राष्ट्र बन सके हैं।

शासकीय प्रयोजन में राजभाषा के प्रयोग से सुशासन के सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त होते हैं। जब कोई भाषा सरकार के कामकाज की भाषा बनाती है तो विचारों की अभिव्यक्ति के माध्यम के साथ-साथ वह 'लोक' और 'तंत्र' के बीच सेतु की भूमिका भी निभाती है। राजभाषा के रूप में हिंदी की महत्ता को हमें इसी संदर्भ में देखना चाहिए।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के क्रम में विद्युत मंत्रालय और इसके नियंत्रणाधीन उपक्रमों और कार्यालयों में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के लिए वर्ष भर सतत् और ठोस प्रयास किए जाते रहे हैं। वर्ष के दौरान संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण तथा हिंदी सलाहकार समिति की बैठक उल्लेखनीय रहे हैं।

अब हम सबके लिए हिंदी में कार्य करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति से संकल्प लेने का क्षण आ गया है ताकि हम सब मिलकर अपने दैनिक कार्यों एवं सरकारी कार्यों में हिंदी का प्रयोग अधिकाधिक बढ़ाएं। हम सभी का यह संवैधानिक दायित्व है कि राष्ट्र का निर्माण राष्ट्र की भाषा में करते हुए भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाएं और हिंदी को संविधान में प्रदत्त गौरव को हासिल करने में अपना महती योगदान दें।

(कृष्ण पाल गुर्जर)

कमरा नं. 200, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली–110001 • फोन : 011–23720450, 23720451, 23720452
Room No. 200, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001 • Phone : 011-23720450, 23720451, 23720452

संदेश

नीपको की गृह हिंदी पत्रिका 'नीपको ज्योति' के 18 वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पत्रिका कार्मिकों के संवाद के लिए एक सरल, सृजनात्मक और समृद्ध माध्यम के रूप में विकसित हो रही है।

नीपको देश के विद्युत उत्पादन में, मुख्य रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र में विद्युत की आवश्यकता को पूरा करने में अग्रगामी और महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। पिछले कुछ वर्षों में हमने विद्युत उत्पादन और लाभांश वितरण में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। निगम के विद्युत की अधिष्ठापित क्षमता के साथ-साथ उत्पादन में वृद्धि हो रही है और इस क्षेत्र में निरंतर प्रगति करने और निश्चित उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए पूरी निष्ठा, संयम और समर्पण के साथ कार्य किया जा रहा है।

इसके साथ ही, निगम के कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। हम इसकी उत्तरोत्तर प्रगति के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। अब समय आ गया है कि हम सब यथार्थ को समझते हुए राजभाषा के प्रति अपने कर्तव्य का स्वेच्छा पूर्वक निर्वहन करें। क्योंकि कार्यालयीन कार्य में हिन्दी का प्रयोग करना एवं राजभाषा नीति का अनुपालन करना हम सब का दायित्व है।

'नीपको ज्योति' के सफल प्रकाशन की मंगलकामनाओं सहित निगम के सभी कार्मिकों को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

गुरदीप

(गुरदीप सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
नीपको

संदेश

नीपको की गृह हिंदी पत्रिका 'नीपको ज्योति' के 18 वें अंक के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएँ। पिछले अंकों के सफल प्रकाशन एवं लोकप्रियता से ज्ञात होता है कि यह पत्रिका निगम की गतिविधियों को प्रदर्शित करने का एक बेहतर माध्यम सिद्ध हो रही है।

हमारा निगम पूर्वोत्तर भारत की विद्युत उत्पादन कंपनियों में एक प्रमुख स्थान रखता है। विकास एक प्रवाहमान प्रक्रिया है। नीपको पूर्वोत्तर क्षेत्र की प्रतिकूल भौगोलिक चुनौतियों का सामना करते हुए विकास की ओर अनवरत अग्रसर है। हम सब के सम्मिलित और अथक प्रयासों से पिछले वर्षों की तुलना में विद्युत उत्पादन, लाभ और लाभांश वितरण में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। हमारे कार्मिकों के कार्य के प्रति समर्पण की भावना की मैं सराहना करता हूँ। उनके सामर्थ्य को बढ़ाने, उन्हें प्रेरित करने एवं लगन को बनाए रखने के लिए हमने अपने कार्मिकों को कई प्रमुख सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

नीपको राजभाषा नीति के समुचित अनुपालन और प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्यरत है। इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए हमारे कार्यालय को विगत वर्षों में विभिन्न स्तर पर पुरस्कृत किया गया है।

हिन्दी भारत की आधिकारिक भाषा है और भारत की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। यह भारतीय साहित्य, कला, और सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हिंदी पूर्वोत्तर भारत में संपर्क भाषा के रूप में महत्वपूर्ण है। यहाँ के विभिन्न राज्यों में हिन्दी का अपना विशेष स्थान है और लोगों के बीच संवाद के लिए इसका प्रयोग होता है।

मैं निगम से जुड़े सभी कार्मिकों के स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना करता हूँ। आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय हिंद!

(बी. महाराणा)
निदेशक (वित्त), नीपको

संदेश

नीपको के कारपोरेट कार्यालय, शिलांग की हिंदी पत्रिका 'नीपको ज्योति' का प्रकाशन बहुत ही खुशी का विषय है। निगम में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने में इस पत्रिका का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

वैश्वीकरण के इस युग में हिंदी का प्रयोग दुनिया के विभिन्न प्रान्तों में देखा जा रहा है। विभिन्न भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए हिंदी ने लोगों के मन में विशेष स्थान प्राप्त किया है और विश्व की प्रमुख भाषाओं में अपना नाम दर्ज किया है। संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी भाषा ने अपनी सार्थकता को सिद्ध किया है क्योंकि यह जनसामान्य से जुड़ी, आसान और लोकप्रिय भाषा है।

नीपको विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में जांच, योजना, डिजाइन, निर्माण, संचालन और रखरखाव को शामिल कर समग्र रूप से राष्ट्र के विकास को बढ़ावा देने के अपने लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर है। हमारा निगम विद्युत की अधिष्ठापित क्षमता एवं उत्पादन में अनवरत वृद्धि कर रहा है।

इसके साथ-साथ हमारा निगम राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। निगम के मुख्यालय सहित विभिन्न अधीनस्थ कार्यालयों को भी राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए विभिन्न स्तर पर पुरस्कृत किया जाता रहा है। यह हमारे लिए गौरव का विषय है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी के सतत प्रयास से हम निगम में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को सफलता की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

'नीपको ज्योति' के सफल प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएँ। आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

(रनेन्द्र शर्मा)
निदेशक (तकनीकी), नीपको

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि कारपोरेट कार्यालय, शिलांग की हिंदी पत्रिका 'नीपको ज्योति के 18 वें अंक का प्रकाशन होने जा रहा है। कार्यालय में हिंदी पत्रिका का प्रकाशन हिंदी के प्रचार-प्रसार और कर्मचारियों के विचारों को व्यक्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति में उसकी अपनी भाषा का महत्वपूर्ण स्थान होता है। भाषा के माध्यम से ही समाज की संस्कृति झलकती है। हिन्दी एक ऐसी भाषा है, जो पूरे देश में आसानी से बोली, समझी और पढ़ी जाती है। हिंदी प्रेमियों के लिए यह संतोष की बात है कि आनेवाले समय में अंतर्राष्ट्रीय महत्व की जो कुछ भाषाएँ होंगी उनमें हिंदी की प्रमुख भूमिका होगी।

मुझे इस बात पर गर्व महसूस हो रहा है कि नीपको राजभाषा कार्यान्वयन की नैतिक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक पालन कर रहा है। इसे जारी रखते हुए हमें भारत सरकार,राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों को भी प्राप्त करना है।

मैं, आप सभी से अपील करता हूँ कि आप पूरे उत्साह के साथ अपने कार्यालयीन कार्य में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें और निगम में राजभाषा कार्यान्वयन में हो रही प्रगति में अपना योगदान दें।

'नीपको ज्योति' के सफल प्रकाशन की मंगलकामनाओं के साथ।

जय हिंद!

(राजेश कुमार झा)
निदेशक (कार्मिक), नीपको

संपादकीय

नीपको ज्योति का 18 वाँ अंक (ई-पत्रिका) आपको समर्पित है। इस पत्रिका का मुख्य उद्देश्य राजभाषा के संवर्धन,विकास तथा प्रचार-प्रसार के साथ-साथ निगम के कर्मचारियों की प्रतिभा को प्रस्फुरित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। पूर्वोत्तर क्षेत्र से हिंदी पत्रिका का प्रकाशन आपने आप में एक महत्वपूर्ण कार्य है। निगम के कारपोरेट कार्यालय के साथ-साथ इसके नियंत्रणाधीन पावर स्टेशनों एवं अधीनस्थ कार्यालयों से भी हिंदी पत्रिकाएं प्रकाशित की जा रही हैं। हिंदी में सराहनीय कार्य के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिलांग-2 कार्यालय से कारपोरेट कार्यालय,शिलांग को वर्ष 2021-22 के लिए द्वितीय पुरस्कार स्वरूप शील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र प्राप्त हुआ है। इस अंक में हमारे निगम की राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों की जानकारी दी गई है। कर्मचारियों से प्राप्त लेख व कविताओं को भी इसमें स्थान दिया गया है।

संपादक मण्डल का यह निरंतर प्रयास रहा है कि नीपको ज्योति अधिक से अधिक सुन्दर सुसज्जित और रोचक बने तथा नीपको में राजभाषा के विकास में एक महत्वपर्ण कड़ी का काम कर सके। हमें आपकी प्रतिक्रियाओं से अवगत होने की प्रतीक्षा रहती है ताकि आपके सुझाव के आलोक में हम पत्रिका के अगले अंक को और अधिक बेहतर बना सके। यह पत्रिका निरंतर पाठकों के लिए आकषर्ण का केंद्र बनी रहे, इसके लिए सभी का सुझाव एवं सहायोग सदा अपेक्षित रहेगा।

धन्यवाद !

विषय सूची

क्रम सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	राजभाषा हिन्दी के उतरोत्तर विकास के चार सूत्र – प्रचार, प्रसार ,प्रेरणा तथा प्रोत्साहन	12-14
2.	भारतीय संस्कृति और नेतृत्व	15
3.	बदलता समय - बदलते रिश्ते – बदलता जीवन	16-17
4.	जीवन क्या है?	18
5.	सही शब्दों का चयन	19
6.	आईवी इलेक्ट्रिक वेहिकल- भविष्य की नई क्रांति	20
7.	हिन्दी कार्यशाला	21-23
8.	हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा	23-32
9.	पुरस्कार	33
10.	स्लोगन प्रतियोगिता और कार्यशाला	33-34
11.	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक	34
12.	राजभाषा संबंधी निरीक्षण	35
13.	नीपको का कारपोरेट सामाजिक दायित्व	35-40
14.	राष्ट्र कवि मैथिली शरण गुप्त	

राजभाषा हिन्दी के उतरोत्तर विकास के चार सूत्र –प्रचार, प्रसार, प्रेरणा तथा प्रोत्साहन

राजेश चतुर्वेदी
सदस्य सचिव
नराकास, शिलांग-2

सर्वप्रथम मैं आज उन जवानों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जो लगातार सत्तर वर्षों से हमारे हिंदुस्तान के भू-भाग की रक्षा कर रहे हैं। पिछले वर्ष हमलोगों ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया। इन वर्षों के दौरान हम कोई भी उदाहरण प्रस्तुत नहीं कर सकते हैं कि हमारी सेना की लापरवाही के कारण हमारे देश का कोई बड़ा भू-भाग किसी अन्य देशों के कब्जों में चला गया हो । परंतु इतिहास इस बात का भी साक्षी है कि इस देश की आज़ादी तथा सीमा की रक्षा करने में हमारे लगभग 4 लाख स्वतंत्रता सेनानी एवं जवान शहीद हुए हैं। मैं उन सभी को देश के प्रति कर्तव्य निष्ठा तथा उनकी समर्पण भावना के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

हम जानते हैं कि आज़ादी सिर्फ एक भू भाग का मानचित्र नहीं होता बल्कि उसमें कुछ अंतर्निहित तत्व होते हैं जो पूरे विश्व में उस देश पहचान कराते हैं। वो है – किसी देश की भाषा, धर्म ,संस्कृति,वेश-भूषा,रीति रिवाज,शारीरिक बनावट ,राष्ट्रीय चिह्न,राष्ट्रीय ध्वज आदि। हमारे देश की सीमा सुरक्षित रखने की ज़िम्मेदारी अपने प्राणों की आहुति देकर भी हमारे जवानों ने की परंतु ये आजादी के जो अंतर्निहित तत्व हैं इसकी रक्षा करने की ज़िम्मेदारी किसकी थी? यह ज़िम्मेदारी इस देश के प्रत्येक नागरिकों की थी। आज आजादी के पचहत्तर वर्ष बाद यदि इसका आकलन करें तो परिणाम बहुत संतोषजनक नहीं दिखाई पड़ते हैं। आजादी का सबसे महत्वपूर्ण तत्व भाषा,हमारी वेश-भूषा, संस्कृति, रीति -रिवाज सभी पश्चिमी संस्कृति की आगोश में जकड़ चुका है। हम आज अपने देश की वेश-भूषा की लड़ाई लगभग हार चुके हैं। और यदि आज भी हम सचेष्ट नहीं हुए तो हम अपनी भाषा की लड़ाई भी हार जाएंगे। वर्ष 2015 में आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी कहा था कि विश्व में लगभग 6000 भाषाएँ बोली जा रही हैं परंतु 21 वीं सदी के अंत तक सिर्फ 10% भाषाएँ रह जाएंगी। ऐसे आलेख व सूचनाएँ विश्व के बड़े बड़े भाषाविदों के द्वारा लिखे व दिये जा रहे हैं जो भाषाई शोध पर आधारित हैं। हम जानते हैं कि क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व के सातवें तथा जनसंख्या की दृष्टि से पहला सबसे बड़ा देश हैं ,जहां हमने अँग्रेजी को अपना सबकुछ भूलकर अपनाए रखा,उस भाषा के सहारे विश्व के परिप्रेक्ष्य में हमारे देश की स्थिति गुणवत्ता के स्तर पर क्या रही जब कि दूसरे देश इन्हीं वर्षों में अपनी भाषा के बदौलत वो कहाँ से कहाँ पहुँच गए ।

मेरा सीधा सा प्रश्न है कि हमें अँग्रेजी से क्या मिला ? जब कि दूसरे देश जिनकी मातृभाषा अँग्रेजी नहीं है,वो देश विश्व में कई मायनों में सर्वश्रेष्ठ बने हुए हैं। आज पूरा का पूरा प्रिंट मीडिया इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बदल चुका है जहां पर कंप्यूटर पर ही सभी भाषाओं का प्रयोग हो रहा है । आप को जानकार आश्चर्य होगा कि हम इंटरनेट प्रयोक्ता के रूप में विश्व में दूसरे स्थान पर हैं जहां 75.9 करोड़ सक्रिय प्रयोक्ता हैं परंतु वैश्विक स्तर पर प्रयोक्ता के रूप में हमारी भारतीय भाषाएँ का पीछे चल रही हैं। प्रयोक्ता के रूप में हमलोग एक से दस की श्रेणी में भी नहीं हैं। यदि यही स्थिति रही तो हमारी भाषाएं भी शनैः शनैः लुप्त हो जाएंगी। इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि वही भाषा अपनी अस्तित्व को बचा पाई है जो जनमानस द्वारा लिखी जाती रही है। आज हम अपने व्यक्तिगत जीवन से लेकर कार्यालयीन जीवन तक

सिर्फ अँग्रेजी का ही प्रयोग करते हैं। अब हमारे पास समय नहीं है क्यों कि अंग्रेजीपरस्त मानसिकता हिन्दी के प्रयोग प्रसार की गति को बाधित करने में अपनी अहम भूमिका निभा रही है। हम अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करने में गर्व का अनुभव करते हैं और अपनी मातृभाषा का प्रयोग करने में शर्म का । इसका उदाहरण आपको कई जगह अपने घर से लेकर बाजार तक मिल जाएगा ।

कहा जाता है कि हिन्दी अन्य भाषा पर थोपी जा रही है परंतु ऐसी बात नहीं है ।संविधान के अनुच्छेद 351 में राजभाषा हिंदी भाषा के विकास के लिए स्पष्ट निदेश दिए गए हैं जिसमें संविधन की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं को लेते हुए और उनका विकास करते हुए हिन्दी के प्रयोग -प्रसार की बात कही गई है।

सच है कि "राजभाषा हिंदी के उत्तरोत्तर विकास के लिए प्रचार, प्रसार, प्रेरणा और प्रोत्साहन मूल मंत्र है। इसी चार स्तंभों की बुनियाद पर राजभाषा की इमारत खड़ी है । परंतु आज इन चारों स्तंभों की सशक्तता तथा इसकी कमजोरियों को आज परखने की आवश्यकता है यदि किसी भी स्तम्भ में कोई खराबी या कमजोरी आ गई हो तो आज उसे पुनः बदलने की आवश्यकता है अन्यथा इन स्तंभों के रुग्ण होने से राजभाषा की इमारत आज न तो कल निश्चित रूप से गिर पड़ेगी । विभिन्न हिंदी साहित्यकारों, लेखकों, अनुवादकों आदि सभी को इन चारों सूत्रों का विश्लेषण करना आवश्यक है । हो सकता है इसमें कुछ अत्यधिक श्रम पड़े या कठोर निर्णय लेना पड़े परंतु आज समय की मांग यही है अन्यथा यह वचन सत्य हो जाएगा – हमने तारीखों के ,वह दौर भी देखे हैं ,जब लम्हों ने ख़ता की और सदियों ने सजा पाई ।

राजभाषा हिंदी का प्रचार – प्रसार काफी हुआ है इसमें संदेह नहीं । राजभाषा विभाग के कारण ही आज भारत सरकार के कार्यालयों के नामपट्ट द्विभाषी या त्रिभाषी दिखाई पड़ते हैं अन्यथ वो सिर्फ अँग्रेजी में ही लिखे जाते इसमें कोई संदेह नहीं । प्रचार-प्रसार हेतु सरकार द्वारा उठाएं गए कदमों के साथ-साथ प्रिंट मीडिया (समाचार पत्र एवं अन्य पत्र-पत्रिकाएं), इलेक्ट्रोनिक मीडिया (टी.वी., कंप्यूटर, मोबाइल अन्य साधन), हिंदी सिनेमा आदि का भी सहयोग है। इन सबका सहयोग हिन्दी को संपर्क भाषा बनाने में अवश्य हुआ है परंतु हमारा तात्पर्य कार्यालयीन हिन्दी अर्थात राजभाषा से है तथापि राजभाषा हिंदी का प्रचार उतना नहीं हो पाया जितना अपेक्षित था। पचहत्तर वर्षों के बाद भी एक ही सूत्र लेकर हम राजभाषा का प्रचार –प्रसार करते हैं – हिन्दी का प्रयोग बहुत आसान है ,शुरू तो कीजिए । कम से कम हस्ताक्षर तो हिन्दी में कीजिये । आखिर कब तक ? इस ढुलमुल रवैये से अब काम नहीं चलेगा । हमें इससे और आगे बढ्ने की जरूरत है।

कार्यालयीन हिंदी के प्रगामी प्रयोग के संवर्धन के लिए कुछ विद्वानों ने सरल हिन्दी के प्रयोग पर बल दिया है। आप जानते हैं कि सरलता का आजकल अर्थ है उन अँग्रेजी शब्दों को देवनागरी में लिख देना माना जाता है । अँग्रेजी का अभी इतना प्रभाव है कि हिन्दी प्रदेशों में जो हिन्दी के प्रचलित शब्द–जैसे चीनी,नमक,रसोईघर,नाश्ता,खाना आदि अब अँग्रेजी शुगर,साल्ट,कीचेन,ब्रेकफ़ास्ट,लंच ,डिनर के रूप में लोगों द्वारा बोले जा रहे हैं। यह प्रक्रिया किसी भी भाषा के लिए निश्चित रूप से अच्छा लक्षण नहीं कहा जा सकता है। जहां एक ओर हम हिन्दी के शब्दों को कठिन समझते हुए अँग्रेजी शब्दों को अपना रहे हैं वहीं अपनी विरासत में मिले बहुप्रचलित शब्दों को अप्रचलित करने पर लगे हुए हैं । हर भाषा का अपना शब्द संपदा,वाक्य-विन्यास और अपनी एक अलग शैली होती है। यदि ऐसा होता रहा तो हमारी भाषा हिन्दी के प्रचलित शब्दों का शब्दकोश धीरे धीरे अँग्रेजी से भर जाएगा । ऐसा सिर्फ हिन्दी के साथ नहीं हो रहा है बल्कि सभी भारतीय भाषाओं में ऐसी प्रवृति दिखाई दे रही है। सरलता के नाम पर हिंदी भाषा के अस्तित्व से छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। हमें सावधानी बरतते हुए हिंदी को सरल बनाना है क्योंकि संविधान के अनुसार "हिंदी भाषा के प्रसार और विकास के लिए उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना करना था, अत: राजभाषा हिंदी के संबंध में आम-बोल चाल की हिंदी और कार्यालयीन हिंदी में कुछ तो अंतर करना होगा। भावी पीढ़ी को एक समृद्ध हिंदी सौंपना चाहते हैं तो हमें इसके अस्तित्व को बचाना

होगा तथा हमारी युवा पीढ़ी जो पूर्ण रूप से अंग्रेजी के गिरफ्त में आ गई है, उन्हें अपनी मातृभाषा के महत्व और गरिमा को बताना पड़ेगा।

थोड़ी हम प्रेरणा पर चर्चा कर लेते हैं । हमारे देश में राजभाषा के संदर्भ में यह शब्द संविधान में उद्धृत है । इस देश में प्रेरणा से कोई काम नहीं चलता ।उदाहरण के तौर पर हमारे देश में हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया जाता है तथा सीट बेल्ट लगाने की सलाह दी जाती है परंतु क्या हम प्रेरणा से करते हैं या ट्रेफिक पुलिस वालों के भय से ? अधिकांश लोगों का उत्तर भय से ही होता है । परंतु हेलमेट और सीट बेल्ट का सीधा संबंध हमारे जीवन की सुरक्षा से होता है । कुछ लोग जो संवेदी होते हैं वह स्वप्रेरित होकर नियमों को मानते हैं । हिन्दी के संबंध में भी जो लोग भाषिक एवं सांस्कृतिक चेतना तथा भाषिक मूल्यों को समझते हैं वह स्वप्रेरणा से कार्य कर रहे हैं परंतु अधिकांश लोगों के लिए आज भी अंग्रेजी का आकर्षण बना हुआ है। मुझे लगता है कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए प्रेरणा को भी नए ढंग से परिभाषित करने की आवश्यकता है।

'प्रेरणा व प्रोत्साहन' शब्द जोड़ने से हिंदी को वह गति नहीं मिली है जिसकी अपेक्षा की जाती है। चूँकि किसी प्रकार के दण्ड का प्रावधान न होने के कारण कुछ कार्मिक हिंदी में कार्य नहीं करते हैं और यह कह दिया जाता है कि यह नीति प्रेरणा एवं प्रोत्साहन की है । उनके लिए यह कवच का कार्य करती है। इस प्रकार राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में कई बार यह नीति बाधक भी बन जाती है । इस पर विचार करने की आवश्यकता है और इस तरह की नीति बनाई जानी चाहिए जिससे हिंदी में कार्य करना अनिवार्य हो। एक तरफ प्रेरणा तथा प्रोतसहन की नीति तय की गई है लेकिन संविधान के अनुच्छेदों की अवेहलना करने पर दंड विधान है ,उसे भी उद्धृत किया जाना चाहिए । राजभाषा हिन्दी के प्रचार –प्रसार में पत्रिकाओं के अलावा कार्यालयों में कार्मिकों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाई गई विभिन्न योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सरकार द्वारा चलाई गई विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं ने कार्मिकों को हिंदी के प्रति कार्य करने में रूचि जागृत की है बल्कि कार्मिकों में हिंदी में कार्य करने के लिए एक प्रतिस्पर्धा विकसित की है, जिससे कार्यालयों में हिंदी में कार्य बढ़ा है। कार्य करने के प्रति उनमें उत्साह भी जगी है। अच्छा कार्य करने वाले कार्मिकों को समय-समय पर दिए जाने वाले प्रशस्ति पत्र भी उनमें हिंदी में कार्य करने के लिए ऊर्जा का संचार करते हैं । इससे कार्मिक हिंदी में कार्य करने के लिए उत्साहित होता है ।

राजभाषा हिंदी के उत्तरोतर विकास में प्रचार माध्यमों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है चाहे वह अखबार हो, पत्रिकाएं हों, टीवी हों या इंटरनेट का अन्य कोई माध्यम रहा हो । इसने हिंदी को बहुआयामी दिशा दी है और एक नया रूप दिया है, विशेषकर आंतरिक पत्रिकाएं । विभिन्न सरकारी कार्यालय एवं संस्थान तथा बैंक इत्यादि अपने कार्य-संचालन तथा अपनी अपेक्षाओं से संबंधित जानकारी अपने कार्मिकों तक पहुंचाने के लिए नियमित रूप से हिंदी में पत्रिकाएं प्रकाशित करती हैं जिसमें राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित जानकारी भी देती हैं । इस प्रकार प्रत्येक कार्मिक संविधान में किए गए प्रावधानों तथा सरकार की नीतियों से भली भॉंति परिचित हुआ है और हिंदी के महत्व को समझा है तथा हिंदी में कार्य करने के प्रति प्रेरित हुआ है। पहले कार्मिकों में हिंदी के प्रति नकारात्मक रूख होता था किन्तु अब उनमें सकारात्मक बदलाव आया है ।

आज प्रत्येक नागरिकों को अपनी मातृभाषा तथा हिन्दी के विकास में सक्रिय भूमिका निभानी होगी तभी हम अपनी भाषाओं को बच पाएंगे अन्यथा यह भाषाएं भी हाशिये पर जाते जाते एक दिन लुप्त हो जाएगी जो किसी भी समाज के लिए एक बहुत बड़ी घटना होगी। निर्णय आपको लेना है।

भारतीय संस्कृति और नेतृत्व

अरूण कुमार प्रधान
प्रबंधक(हिन्दी)

भारतीय संस्कृति की व्याख्या वेदों, उपनिषदों पुराणों ,रामायण ,महाभारत और गीता जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथ में की गई है। मानव जीवन के श्रेष्ठ पक्ष को ये ग्रंथ चित्रित करते हैं। इनमें भारतीय मनुष्यों के चिंतन का सार परिलक्षित है। सर्वप्रथम राज्य व्यवस्था और शासन प्रबंधन का स्वरूप वेदों में ही दिखाई पड़ता है। प्रशासन का संचालन वैदिक काल में एक व्यक्ति के हाथ में न होकर महासभा के हाथ में होता था । उन महासभा में तीन समितियां होती थी। हालांकि इन तीनों समितियों का प्रमुख राजा ही होता था। परंतु सभी शक्तियां इन समितियों में निहित होती थी। जिससे राजा निरंकुश न हो जाए। राजा उसी को बनाया जाता था जो सर्वगुण संपन्न, धर्म अनुकूल आचरण करने वाला, लोक कल्याण करने वाला, सबके हित को ध्यान में रखकर राज्य का विकास और उत्थान करने वाला होता था । प्राचीन काल में राजा सभा के अधीन, सभा प्रजा के अधीन और प्रजा राज सभा के अधीन होती थी।

वर्तमान के संदर्भ में देखा जाए तो नेतृत्व के लिए सभी गुण उतने ही प्रासंगिक है जितने राजा के लिए थे। कौटिल्य के अनुसार प्रशासक नियुक्त करते समय नियोक्ता को कुछ योग्यताएं सुनिश्चित करनी चाहिए जो इस प्रकार हैं, दूरदर्शी, बुद्धिमान, कार्य कुशल, कुशल वक्ता , प्रतिभाशाली उत्साहवान प्रभु सत्ताधारी, सहिष्णु, निश्चय, सुशील, समर्थ, धैर्यवान, द्वेष रहित, निरभिमानी तथा सु हृदय हो ,प्रगतिशील और स्थिर प्रकृति का हो। वह न केवल द्वेष उत्पन्न करने वाला हो अपितु शत्रु के द्वेष को भी शांत करने वाला हो। प्रशासक के आचरण और चरित्र पर ही संस्था और संगठन की दशा, दिशा और भविष्य निर्भर करता है । नेता में लक्ष्य निर्धारित करने की क्षमता का होना परम आवश्यक है। प्रभावी नेतृत्व में लचीला, महत्वाकांक्षी, बुद्धिमान, निश्चयी, सामाजिक एवं जन कल्याण के लिए तत्पर, जिम्मेदार, गंभीर और सहनशील का भाव होना आवश्यक है।

हिंदुओं का धार्मिक ग्रंथ भगवद् गीता प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके प्रत्येक श्लोक में प्रबंधन की विवेचना निहित है। भारत रत्न डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम की राय में अच्छा नेतृत्व वही है जो विफलता की जिम्मेदारी स्वीकारने का दुस्साहस दिखाए और सफलता का पूरा श्रेय अपनी टीम को दे। विदुर नीति में भी प्रशासक के गुणों का विवेचन मिलता है । राजा को चार प्रकार के लोगों की पहचान कर लेनी चाहिए, अल्प बुद्धि, दीर्घ सूत्री, जल्दबाज और चाटुकार। यह चारों गुप्त मंत्रणा के लिए सर्वथा अयोग्य हैं। रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने भगवान राम के रूप में एक मर्यादा पुरुष का रूप प्रस्तुत किया है जो नेता के लिए आवश्यक है।

भारतीय संस्कृति में नैतिक मूल्यों की महत्ता है, संगम ,अपरिग्रह, संतोष, समत्व भाव, सत्य, अहिंसा, दान,परोपकार, दया, करुणा, श्रद्धा, निष्ठा, आदर, सम्मान और स्नेह बाणी की मधुरता, जनकल्याण प्रमुख मूल्य हैं। इन मूल्यों का नेतृत्व में समावेश होने पर देश प्रगति और विकास की ओर विशेष रूप से अग्रसर होता है जो वर्तमान में हमारे देश में परिलक्षित हो रहा है।

इसी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है जी 20 सम्मेलन की अध्यक्षता पहलीवार भारत ने की, भारत में सम्मेलन का भव्य आयोजन से सभी सदस्य देशों ने भारत की सराहना की है। इसके अलावा चंद्रयान की सफल लैंडिंग भारत की सुदृढ़ तकनीकी दक्षता और वैश्विक पटल पर अपनी अपार क्षमता को दर्शाता है।

बदलता समय बदलते रिश्ते बदलता जीवन

विजय प्रजापति
सहायक-I (हिन्दी)
नीपको लि., गुवाहाटी

जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो रिश्तेदार दिन रात एक ही बात पर बात करते हैं और फोन पर भी इसी विषय पर बात होती है लड़का तो अब अच्छा कमाने लगा है बड़ा हो गया है उम्र निकली जा रही है कहीं बाहर किसी प्रेम प्रसंग में फंस जाएगा और बिरादरी में नाक कट जायेगी।
इस विषय को लेकर हमारे घर में बहुत तनाव चल रहा था क्योंकि रिश्तेदार हर बात में इसी विषय को घसीटते थे । कुछ दिनों बाद मेरे एक रिश्तेदार के दूर के रिश्तेदार की "सब-गुण-संपन्न" लड़की मिल गई और बेटे की लगे हाथो सगाई भी कर दी ।

घर में शादी का महौल बना हुआ है शादी से संबंधित कामों की लिस्ट बननी शुरू हो गई है घर में सहमती बनी कि हलवाई का झंझट कौन पालेगा, केटरर को देने में ही भलाई है उसी को सब सौंप देते हैं ।

समय पूरा बदल चुका है मैं सोचने लगा और मुझे अपने पुराने दिन और अपनी शादी याद आ गई। शादी के मकसद से तमाम सूचियां बननी शुरू हो गई हैं।हो गया" ताऊ जी को भंडार की जिम्मेदारी दे देना उचित रहेगा उन्होने पहले भी शादियों मे यह काम भली-भांती निभाया है बाजार से कपड़ों और गहनों की खरीददारी के लिए दीदी जीजा जी ठीक रहेंगे नये जमाने के लोग हैं उन लोगो को अच्छी जानकारी होगी" बेटे ने सुझाव दिया । ब्यूटी पार्लर बालो से भी बात करनी पडेगी नही तो रिश्तेदारो के मुँह फुल जायेंगे । आज कल की लडकियों और महिलओं को खाना कम चाहिए परंतु मेकअप पूरा चाहिये" पत्नी ने धिरे से कहा ।

शादी वाले दिन हम सभी विवाह स्थल पर पहुंच गये । मैं हल्दी की तैयारियों में जुट गई और बेटी से सबको बुलाकर लाने को कहा । मैं फिर सोचने लगी, पहले कितना अच्छा होता था, जब बडे से आंगन या छत पर दरी और गद्दे बिछ जाते थे । रिश्तेदार और दोस्त दिन भर रस्मो-रिवाज, नाच-गाना, खाना-पीना होता और देर रात तक हंसी-मजाक, शोर शराबा करते थे और वहीं सो जाते थे । दूर दूर तक मोहल्लो के घरो में रोशनी, नाच-गाने और शोर शराबे से ये पता चलता था कि अमुक-अमुक के यहाँ विवाह है ।

बेटी के बुलाने पर एक-एक कर लोग अपने कमरों से आए, रस्में पूरी कीं और फिर अपने कमरों में चले गये । मेरे कमरे को तो एसी ही ठीक काम नही कर रहा। मैं तो इतनी गर्मी में आने को ही तैयार नही थी लेकिन तुम्हारे भैया नहीं माने, जेठानी ने फुसफुसाते हुए छोटी ननद से कहा। आप सही कह रही हैं हमारे रहन सहन को देख कर कम से कम होटल तो सही से चुना होता जयमाला के समय भी पहले जैसे हंसा-मजाक, शोर शराबा और लडको लडकियों के तरफ से आये रिस्तेदारों, दोस्तों की शरारत भी नही दिखी।

जयमाल के बाद आई 'सजनगोठ की बारी' जिसमें लडको वालों के खास रिश्तेदारों को एक साथ बिठाकर बहुत सम्मान से भोजन कराया जाता है । हम लोग जब रिश्तेदारों को ढूंढने निकले तो पता चला कि आधे से ज्यादा लोग पहले ही खाना खाकर कमरों में जा चुके थे । कोई भी रिश्तेदार वहां मौजुद नही था । मन मारकर चार-छह लोगों के साथ यह रस्म पूरी करनी पडी । भोर में शादी निपटी । बहु घर में आती, तब तक आधे से ज्यादा लोग अपने घर लौटने की तैयारी कर चुके थे । भाभी सारी रस्म जल्दी-जल्दी निपटवा देना, नहीं तो हम लोगों को लौटने मे देर हो जाएगी, बडी ननद बोली ।

हां दीदी, विवाह स्थल भी आठ बजे तक खाली करना है इन लोगो की दूसरी बुकिंग है, मैनें भी हां मे हां मिलाई ।

जल्दी जल्दी सब काम निपटाकर हम लोग भी घर लौटे आए, मगर घर पर बहु का स्वागत करने मेरी पत्नी और बेटी के अतिरिक्त कोई नही था ।

कहां गए वे दिन जब चार – छह औरतें हंसी मजाक करतीं नई दुल्हन का ग्रह प्रवेश के समय बडी ही गर्म जोशी से स्वागत करती हुई और उसको कमरे में ले जाती थी । बहु को धीमे कदमों से अपने कमरे में जाते हुए देखकर मैं सोचने लगी "यही जीवन है इसमें होने वाले बदलोवों को हमें स्वीकार करना ही होता है" – पति धीमे से बोले । शायद वह मेरे चेहरे के बदलते भावों की भाषा समझ गए थे।

जीवन क्या है?

रूप परियट
ईडीपी, नीपको ईपीएफ ट्रस्ट

एक नगर में एक मशहूर चित्रकार रहता था ।चित्रकार ने एक बहुत सुन्दर तस्वीर बनाई और उसे नगर के चौराहे मे लगा दिया और नीचे लिख दिया कि जिस किसी को, जहाँ भी इस में कमी नजर आये वह वहाँ निशान लगा दे।

(चित्र: साभार इंटरनेट)

जब उसने शाम को तस्वीर देखी उसकी पूरी तस्वीर पर निशानों से ख़राब हो चुकी थी । यह देख वह बहुत दुखी हुआ । उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि अब क्या करे वह दुःखी बैठा हुआ था ।
तभी उसका एक मित्र वहाँ से गुजरा उसने उस के दुःखी होने का कारण पूछा तो उसने उसे पूरी घटना बताई ।

उसने कहा एक काम करो कल दूसरी तस्वीर बनाना और उस मे लिखना कि जिस किसी को इस तस्वीर मे जहाँ कहीं भी कोई कमी नजर आये उसे सही कर दे ।

उसने अगले दिन यही किया । शाम को जब उसने अपनी बनाई तस्वीर देखी तो उसने देखा की तस्वीर पर किसी ने कुछ नहीं किया । वह संसार की #रीति समझ गया था।
"कमी निकालना, निंदा करना, बुराई करना आसान है लेकिन उन कमियों को दूर करना अत्यंत कठिन होता है...

यही जीवन है...

लोग आप में कमियाँ निकालेंगे लेकिन आप निरंतर आगे बढ़ते रहे...
किसी की परवाह ना करें...

सही शब्दों का चयन

(महेश कुमार शर्मा)
सहायक हिंदी अधिकारी

हम बातचीत में चाहे कोई भी भाषा का प्रयोग करते हों उसमें सही शब्दों का , चयन करनाअति महत्वपूर्ण होता है। सही शब्द के चयन से हमारी वाणी की मधुरता या कठोरता प्रमाणित होती है। जब हम किसी से बातचीत करते हैं, उसका प्रभाव हमारे मन की स्थिति पर पड़ता है। जब हम अच्छी और उचित वाणी बोलते हैं, तो हमारे मन की शीतलता बनी रहती है और हमें शांति की अनुभूति होती है।

ऐसी वाणी बोलिए मनका आपा खोए
औरन को शीतल करे आप ही शीतल हो।

वाणी से आपके व्यक्तित्व की पहचान होती है और वाणी शब्दों का संकलन मात्र है। इसके साथ एक और चीज महत्वपूर्ण है वह है बातचीत का लहजा। लहजे से भले ही हमारे व्यक्तित का सीधा संपर्क नहीं है पर कोई भी हमारे लहजे से इसका अनुमान तो लगा ही सकता है। कई बार हमारे शब्द और व्यवहार से दूसरे व्यक्ति को ठेस पहुंचती है, जिससे संबंध दुर्बल हो जाते हैं। इसलिए हमें समझना आवश्यक है कि हमारी भाषा और बोलचाल किस प्रकार का है, क्योंकि यह हमारे संबंधों पर सकारात्मक अथवा नकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

जो खानदानी रईस होते हैं वो मिजाज रखते हैं नरम अपना
तुम्हारा लहजा बात रहा हैनई है।-तुम्हारी दौलत नई ,

सही शब्दों का चयन करने से भाषा का प्रभाव और संदेश की पहुंच में बदलाव आता है, और यह व्यक्ति के संवाद को मजबूत और प्रभावी बनाने में मदद करता है।

सही शब्दों का चयन कैसे करें: पहले तो आपको यह तय करना होगा कि आपके संदेश का मुख्य उद्देश्य क्या है। क्या आप किसी को सूचित करना चाहते हैं, उन्हें प्रेरित करना चाहते हैं, या कुछ और? संदेश का स्पष्ट ध्यान रखना आपको उचित शब्दों का चयन करने में मदद करेगा।
आपके संदेश को सुनने वाले के द्वारा कैसे समझा जाएगा, इसका भी महत्व है। उनकी भाषा, सोच, और सामाजिक संदर्भ को ध्यान में रखें ताकि आप उन्हें समझ सकें और उनकी प्राथमिकताओं को पूरा कर सकें।

शब्दों का चयन सरल और सुगम होना चाहिए। अधिक जटिल शब्दों का प्रयोग जबरदस्ती करने के बजाय, सरल और सामान्य शब्दों का चयन करना संदेश को स्पष्ट और प्रभावी बनाता है। ध्यान दें कि अक्सर समय की कमी होती है, और लोग संक्षिप्त और स्पष्ट संदेश को पसंद करते हैं। बारीकी से संक्षेपित शब्दों का चयन करने के लिए प्रयास करें।

ईवी (इलेक्ट्रिकल वेहिकल) – भविष्य की एक नई क्रान्ति

तरुन कुमार
वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक

सम्पूर्ण विश्व का एक ही खतरा
बढ़ रहा प्रदूषण का खतरा।
जिससे न जाने कितनी समस्या है उभरी
जलवायु परिवर्तन उनमे से है गहरी
पूरे विश्व इस समस्या से उलझी
परंतु अब तक यह गुत्थी न सुलझी।
कुछ वर्षों में एक हल आया
सभी का ध्यान ईवी में आया
हरित क्रान्ति का लौ जलाने
सम्पूर्ण जगत को ईवी है भाया।

बढ़ रहा ईवी का वर्चस्व
बढ़ता जिससे जगत का वर्चस्व।
घर-घर तक यह नारा पहुंचा
ईवी को अपनाना है प्रदूषण को घटाना है।
अगर अभी भी हम सचेत न हुए तो
इसका जोखिम भुगतेगा विश्व
आज ही हम यह संकल्प कर लें
अपने जीवन में ईवी को अपना लें
नई क्रान्ति से नए विश्व तक
प्रदूषण को कम है कर लें।

जय हिन्द!

हिन्दी कार्यशाला

कारपोरेट कार्यालय, शिलांग

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कारपोरेट मुख्यालय, शिलांग में 28 जून, 2023 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में श्री दीपांकर बरुआ, मुख्य महाप्रबंधक (सिविल) एवं अध्यक्ष, नीपको राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कारपोरेट मुख्यालय, शिलांग, डॉ. दिगन्त बोरा, उप-महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के साथ-साथ संकाय सदस्य के रूप में श्री बदरी यादव, उप-निदेशक (प्र) एवं कार्यालय प्रमुख क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्वोत्तर क्षेत्र), गुवाहाटी उपस्थित थे। संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित श्री बदरी यादव, उप-निदेशक (प्र) एवं कार्यालय प्रमुख क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्वोत्तर क्षेत्र), गुवाहाटी का स्वागत श्री दीपांकर बरुआ, मुख्य महाप्रबंधक (सिविल) ने किया। हिंदी कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारियों और कार्यशाला में भाग लेनेवाले प्रतिभागियों का स्वागत प्रबंधक (हिंदी), श्री अरुण कुमार प्रधान ने किया।

इस कार्यशाला का उद्घाटन श्री दीपांकर बरुआ, मुख्य महाप्रबंधक (सिविल) एवं अध्यक्ष, नीपको, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कारपोरेट मुख्यालय शिलांग ने किया। कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि निगम की ओर से हिन्दी में कार्य करने के लिए बढ़ावा देने हेतु हम नियमित रूप से प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशाला का आयोजन करते हैं तथा इस संबंध में राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास करते हैं। हम सभी का प्रयास केवल लक्ष्य को प्राप्त करना ही नहीं होना चाहिए बल्कि निगम में हिंदी के कार्यान्वयन आगे बढ़ाने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहना चाहिए। उन्होने सभी प्रशिक्षणार्थियों से आग्रह किया कि आप संकाय सदस्य के रूप में हमारे बीच उपस्थित श्री बदरी यादव, उप-निदेशक (प्र) एवं कार्यालय प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्वोत्तर क्षेत्र) गुवाहाटी से कार्यालय में हिंदी के उत्तरोत्तर विकास, हिंदी के प्रणामी प्रयोग संबंधी तिमाही रिपोर्ट भरने, नोट एवं टिप्पण लिखने के संबंध में विशेष जानकारी प्राप्त करें।

हिंदी कार्यशाला में संकाय सदस्य के रूप में उपस्थित श्री बदरी यादव, उप-निदेशक (प्र) एवं कार्यालय प्रमुख,क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्वोत्तर क्षेत्र), गुवाहाटी ने विशेष रूप से प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार की राजभाषा नीति, नियम, अधिनियम एवं राजभाषा संबंधी पारित संकल्प से अवगत कराया। उन्होंने यह भी बताया कि हिंदी का कार्य प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं पुरस्कार के माध्यम किया जाता है। जितना संभव हो सके आप कार्यालयीन कार्य अधिक से अधिक हिंदी में करने का प्रयास करें। इस एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला में 10 कार्मिकों ने भाग लिया।

(कारपोरेट कार्यालय, शिलांग में 28 जून 2023 को आयोजित एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला)

कामेंग हाइड्रो पॉवर स्टेशन, किमि, अरुणाचल प्रदेश

कामेंग हाइड्रो पॉवर स्टेशन, किमि, अरुणाचल प्रदेश स्थित कार्यालय में अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए दिनांक 15/03/2022 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विवेकानन्द केन्द्र विद्यालय, का.ह.प.स्, किमि के हिन्दी अध्यापक, श्री विलास पलसोकर, को संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यशाला का उद्‌घाटन नन्देश्वर भञाँ, मुख्य महाप्रबंधक (वै. या.), का.ह.प.स्, नीपको लि., किमि द्वारा संकाय सदस्य को पारम्परिक 'खाता' से किया गया। कार्यशाला में नामित अधिकारियों व कर्मचारियों ने सहर्ष भाग लिया। इस कार्यशाला में पत्राचार संबंधी विषयों पर चर्चा व अभ्यास कराया गया ।

कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती एल्बिन दीपिका दोले, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा किया।

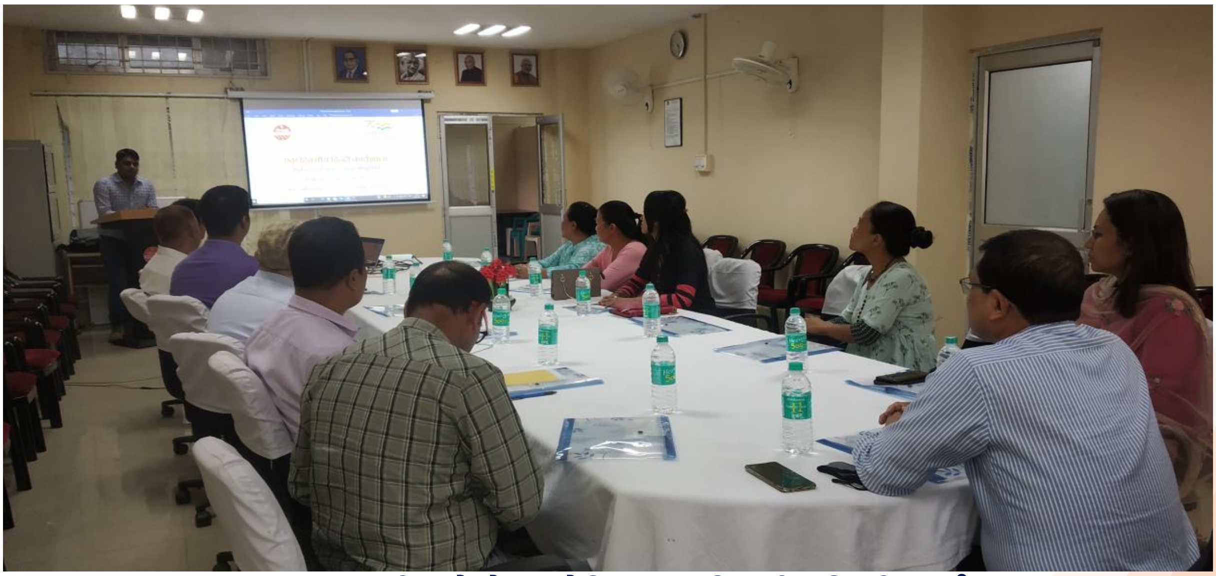

(काहपस्,नीपको में आयोजित एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला)

कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन ,नीपको ,उमरॉग्सो

कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन, नीपको, उमरॉग्सो में दिनांक 26.06.2023 को एक दिवसीय राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया | राजभाषा (हिंदी) कार्यशाला का उद्‌घाटन श्री बसंत कुमार तिग्गा, महाप्रबंधक (मा.सं), केएचपीएस, उमरॉग्सो द्वारा किया गया | इस अवसर पर श्री बिशन थापा, प्रबंधक (हिंदी) ने श्री बसंत कुमार तिग्गा, महाप्रबंधक (मा.सं), केएचपीएस, उमरॉग्सो, श्री संतोष दुबे, हिंदी अध्यापक, विकेवि, नीपको, उमरॉग्सो एवं प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया | श्री बसंत कुमार तिग्गा, महाप्रबंधक (मा.सं), केएचपीएस, उमरॉग्सो ने अपने संबोधन में सभी से इस कार्यशाला का लाभ उठाने को कहा तथा अपने दैनिक सरकारी काम-काज में छोटी-छोटी टिप्पणियाँ लिखने तथा हिंदी में हस्ताक्षर करने हेतु प्रेरित किया | इस एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार की राजभाषा नीति और उसका कार्यान्वयन एवं कार्यालय के दैनिक कार्य हिंदी में करने एवं कंप्यूटरों में हिंदी टंकण आदि का अभ्यास करया गया । इस एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला में कुल 06 अधिकारियों/कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

कार्यशाला के अंत में सभी प्रशिक्षाणार्थियों को धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया गया |

हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा

कारपोरेट कार्यालय, शिलांग

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन के मुख्यालय, शिलांग में 14 सितम्बर, 2022 को हिन्दी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। निगम के निदेशक (कार्मिक), श्री अनिल कुमार ने प्रदीप प्रज्ज्वलित करके हिन्दी दिवस समारोह के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हिन्दी दिवस के उद्घाटन कार्यक्रम में श्री जे. एन. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने श्री अनिल कुमार, निदेशक (कार्मिक) का फुलम गामोछा से स्वागत किया। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत श्री दीपांकर बरुआ, मुख्य महाप्रबंधक(सिविल) ने अपने संबोधन से किया।

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में श्री अमित शाह, माननीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार के संदेश को श्री ए. ए. पी. कुजूर, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) राजभाषा ने हिंदी दिवस के समारोह में वाचन किया। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में श्री आर. के. सिंह, माननीय विद्युत मंत्री एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, भारत सरकार द्वारा की गई अपील का पाठ श्री अविनोम पनूरंग कंपनी सचिव ने हिंदी दिवस के समारोह में किया। हिंदी दिवस के अवसर पर श्री कृष्ण पाल गुर्जर, केंद्रीय राज्य मंत्री, विद्युत और भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई अपील का पाठ श्री जयदेव नंदी, उप महाप्रबंधक (मा.सं.) ने किया। हिंदी दिवस के अवसर पर श्री राजीव गौबा, मंत्रिमंडल सचिव, भारत सरकार से प्राप्त

संदेश का पाठ सुश्री माईस्नाम इंगलेमा, प्रबंधक (मा.सं.) ने किया। उक्त अपील एवं संदेशों को निगम के नियंत्रणाधीन पावर स्टेशनों एवं अधीनस्थ कार्यालयों में भी परिचालित किया गया।

मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार, निदेशक (कार्मिक) ने अपने संबोधन में सभी को हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी संघ की राजभाषा है और हम सबका यह दायित्व बनता है कि सरकारी कामकाज में हिंदी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाय। सरकारी कामकाज हिंदी में करने से एक तो हम भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करेंगे और दूसरा अपने निगम में राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए सक्रीय रहेंगे।

दिनांक 14-29 सितम्बर, 2022 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। 16 सितम्बर, 2022 से हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान हिंदी स्लोगन, आकस्मिक भाषण, अनुवाद, हिंदी टिप्पण और मसौदा लेखन, प्रश्नोत्तरी, अंताक्षरी, सुलेख एवं श्रुतलेख और आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम के रूप में देश भक्ति हिंदी संगीत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

दिनांक 29 सितम्बर, 2022 को हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. भरत प्रसाद त्रिपाठी, प्रोफेसर, नेहू, शिलांग को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार, निदेशक (कार्मिक) ने प्रदीप प्रज्ज्वलित करके इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों का फुलम गामोछा से स्वागत किया गया। तत्पश्चात श्री जे. एन. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर एक राजभाषा प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें निगम में राजभाषा की उपलब्धियों को दर्शाया गया। ई-पत्रिका नीपको ज्योति के 17 वें अंक का प्रकाशन भी किया गया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा इस समारोह में पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया।

डॉ. भरत प्रसाद त्रिपाठी, प्रोफेसर, नेहू, शिलांग ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी एक संपर्क भाषा है इसका विस्तार हर क्षेत्र में विशेष गति से हो रहा है। हिंदी हमें सीखनी चाहिए और अधिक से अधिक इसे उपयोग में लाना चाहिए।

निदेशक (कार्मिक) ने इस अवसर पर नीपको मुख्यालय के कार्मिको को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब निगम में समय-समय पर आयोजित होनेवाले विभिन्न हिंदी कार्यक्रमों में भाग लेने का प्रयास करें तथा अपने कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग करने में होनेवाली झिझक से घबराए नहीं। जितना संभव हो उतना हिंदी का प्रयोग करने की कोशिश कीजिए। हिंदी भाषा समन्वय का कार्य करती है।

निगम में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों पर श्री अरुण कुमार प्रधान, प्रबंधक (हिन्दी) ने एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत किया। इस समारोह का संचालन श्रीमती इलाखी चांगमाई, उप-प्रबंधक(मा.सं.) ने किया। श्री एन.के. मैते,उप-महाप्रबंधक (मा.सं.) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही यह समारोह सम्पन्न हुआ।

कॉर्पोरेट अफेयर्स, नई दिल्ली

कॉर्पोरेट अफेयर्स, नई दिल्ली कार्यालय में 14 सितम्बर से 29 सितम्बर2022 तक हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। पखवाड़े के दौरान हिंदी भाषी एवं हिंदीतर भाषा-भाषी कार्मिकों के लिए दो वर्गों में हिंदी कविता पाठ, हिंदी अनुवाद, हिंदी टंकण एवं हिंदी पहेली प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। पखवाड़े के दौरान प्रतिदिन कार्यालय के डिजिटल बोर्ड पर हिंदी भाषा में आज का शब्द तथा आज का विचार के अंतर्गत हिंदी की सूक्तियां लिखी गई। इस दौरान हिंदी ई-पत्रिका – 'रतनदीप' के 10वें अंक का विमोचन हुआ। हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करने के साथ ही कार्यालय में लागू की गई नकद पुरस्कार प्रोत्साहन योजना के विजेताओं को नकद पुरस्कारों से भी पुरस्कृत किया गया।

दोयांग हाइड्रो पावर स्टेशन

दोयांग हाइड्रो पावर स्टेशन में दिनांक 14 सितम्बर 2022 को हिन्दी दिवस मनाया गया इस अवसर पर दौयांग हाइड्रो पावर स्टेशन के श्री कल्याण बर्मन, महाप्रबंधक (वै./यां.) मुख्य अतिथि श्री दिपुल हलोई (चि & स्वा. से.) तथा संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित थे। श्री कल्याण बर्मन, महाप्रबंधक (वै./यां.) ने प्रदीप प्रज्जवलित करके हिन्दी दिवस समारोह के कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। समारोह में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात श्री लाईशरम याईम्माब खुमन ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि तथा समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि श्री दिपुल हलोई (उप-महाप्रबंधक) ने हिन्दी दिवस समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दी के प्रचार-प्रसार हम सब मिलकर करेंगे तभी हिन्दी राजभाषा अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकती है।

श्री मनीष कुमार (उप-प्रबंधक) वित्त ने हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में माननीय विद्दयुत मंत्री, भारत सरकार के संदेश को पढ़कर कर सुनाया | श्री लाईशरम याईम्माब खुमन (उप-प्रबंधक) मा.सं. हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार के संदेश को पढ़कर कर सुनाया |

दोयांग हाइड्रो पावर स्टेशन में दिनांक 14 सितम्बर, 2022 को हिन्दी पखवाड़ा का शुभारम्भ किया गया। दोयांग हाइड्रो पावर स्टेशन के श्री कल्याण बर्मन, महाप्रबंधक (वै./यां.) ने प्रदीप प्रज्जवलित करके हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन किया। इस उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर श्री लाईशरम याईम्मान खुमन,

उप-प्रबंधक (मा.सं.) श्री दिपुल चन्द्र हलोई (उप महाप्रबंधक) के साथ बड़े पैमाने पर कर्मचारीगण भी उपस्थित थे|

विशिष्ट अतिथि श्री सुधीर कुमार, विवेकानन्द केन्द्र विद्यालय, दोयांग ने हिन्दी के विभिन्न स्वरूपों पर प्रकाश डाला और यह कहा कि हिन्दी का प्रचार-प्रसार देश के सभी भागों में हो रहा है।हिन्दी पखवाड़ा के उद्घाटन के अवसर पर श्री लाईशरम याईम्माब खुमन, उप-प्रबंधक (मा.सं.) ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी कार्य में राजभाषा हिन्दी को प्रयोग में लाना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने सभी से अपील की कि राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को कार्यालय में बढ़ावा देने के लिए सभी मिलकर प्रयास करें।

श्री पिंटु सिंह, सहायक (हिन्दी) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही हिन्दी पखवाड़ा समारोह संपन्न हुआ।

कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन, उमरॉग्सो

कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन, नीपको, उमरॉग्सो, में दिनांक 14 सितंबर 2022 को हिंदी दिवस समारोह का अयोजन किया गया और दिनांक 14 सितंबर 2022 से 29.09.2022 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। श्री दिलीप कुमार सैंकिया, संयंत्र प्रमुख, कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन, नीपको, उमरॉग्सो, ने प्रदीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । केएचपीएस, नीपको, उमरॉग्सो में दिनांक 14 से 29 सितंबर 2022 तक हिंदी पखवाड़ा के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

दिनांक 29 सितंबर 2022 को हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विधिवत् रूप से अतिथियों के पुष्पगुच्छ एवं मुख्य अतिथि श्री बी.सी. बोरा, महाप्रबंधक (सी)/संयंत्र प्रमुख, प्रभारी, केएचपीएस, उमरॉग्सो, ने प्रदीप प्रज्वलित कर किया । श्री बी.सी. बोरा, महाप्रबंधक (सी)/संयंत्र प्रमुख, प्रभारी, केएचपीएस, उमरॉग्सो ने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए राजभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने कार्यालयीन कामकाजो में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करने को कहा।

इसके पश्चात पुरस्कार वितरण समारोह में हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कारों से पुरस्कृत किया गया।

केएचपीएस, उमरॉग्सो में हिंदी ई-पत्रिका "कोपिली दर्पण" के पांचवें अंक का प्रकाशन भी किया गया। हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह पर ई-पत्रिका "कोपिली दर्पण" के पांचवें अंक का विमोचन श्री बी.सी. बोरा, महाप्रबंधक (सी)/संयंत्र प्रमुख, प्रभारी, केएचपीएस, उमरॉग्सो द्वारा किया गया।

हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा 2022 समारोह का संचालन श्री बिशन थापा, प्रबंधक (हिंदी) द्वारा किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ हिंदी दिवस समारोह संपन्न हुआ।

एजिजीबीपीएस, अगरतला

सरकारी काम-काज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग में बढ़ोतरी तथा कर्मचारियों को उत्साहित करने के उद्देश्य से एजिजीबीपीएस, नीपको, अगरतला में दिनांक 14.09.2022 से 29.09.2022 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान हिंदी में टिप्पण व प्रारूप लेखन, अनुवाद, श्रुत लेखन, हिंदी में आकस्मिक भाषण, हिंदी संगीत व हिंदी अंताक्षरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में एजिजीबीपीएस, नीपको, अगरतला में पदस्थापित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। दिनांक 26.09.2022 को प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री जे.सी.दास, महाप्रबंधक (सी) श्री प्रांतिक बरदोलई, उप-महाप्रबंधक(मा.सं.), श्री गोपाल कर्माकर, उप-महाप्रबंधक (वै/यां), श्रीमती शंकरी देब(दास), उप-महाप्रबंधक (वै/यां), श्री पी.एस.भागवती, उप-महाप्रबंधक (वै/यां) के साथ-साथ बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। उपरोक्त आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत करने के साथ-साथ सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किया गया। पुरस्कारों का वितरण श्री जे.सी.दास, महाप्रबंधक(सी), श्री प्रांतिक बरदोलई, उप-महाप्रबंधक(मा.सं.), श्री गोपाल कर्माकर, उप-महाप्रबंधक(वै/यां) के कर कमलों द्वारा किया गया। श्री अशोक कुमार राय, प्रबंधक (हिंदी) ने समारोह का संचालन किया। प्रतियोगिताओं में विजेताओं के नाम निम्नवत रूप में दिया गया है। दिनांक 27.09.2022 को अभाषी माध्यम से कारपोरेट मुख्यालय द्वारा आयोजित हास्य कवि सम्मेलन में भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

कामेंग जल विद्युत पावर स्टेशन,किमि, अरुणाचल प्रदेश

हिन्दी दिवस का आयोजन 14 सितम्बर 20222 को दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री नन्देश्वर भञाँ, संयंत्र प्रमुख, का.ह.प.स्., किमि, अरुणाचल प्रदेश द्वारा मुख्य वक्ता विलास पलसोकर (हिंदी अध्यापक), विवेकानन्द केन्द्र विद्यालय, किमि के स्वागत के साथ किया गया । श्रीमती एल्बिन दीपिका दोले, उप महाप्रबंधक, (मा. संसा.) ने स्वागत भाषण करते हुए सर्वप्रथम समारोह सभा में उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का स्वागत किया साथ ही साथ हिन्दी को सरकारी कामकाज में ज्यादा से ज्यादा अपनाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये । मुख्य अतिथि श्री नन्देश्वर भञाँ, संयंत्र प्रमुख ने अपने सम्बोधन में हिन्दी को एक सरल, सहज तथा आम लोगों की भाषा बताते हुए हिंदी को पूरे भारत में सर्वाधिक बोले जाने वाली भाषा कहा । संयंत्र प्रमुख महोदय ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से सरकारी कामकाज और अपने रोज़मर्रा के कामकाज में भी हिंदी को अपनाने का आग्रह किया।

हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह के अन्त में श्रीमती एल्बिन दीपिका दोले, उप महाप्रबंधक, (मा. संसा.) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

त्रिपुरा गैस आधारित पावर स्टेशन, मोनारचक

त्रिपुरा गैस आधारित पावर स्टेशन, नीपको लिमिटेड, मोनारचक, सोनामुड़ा में दिनांक 14 सितंबर 2022 से 29 सितंबर 2022 तक हिंदी दिवस/ हिंदी पखवाड़ा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें टीजीबीपीएस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। दिनांक 14 सितंबर को हिंदी दिवस समारोह का शुभारंभ, मुख्य अतिथि श्री नंद बसुमतारी, मुख्य महाप्रबंधक (वै./यां.) एवं पावर स्टेशन प्रमुख, श्री जे.एल. दास, महाप्रबंधक (वै./यां.) एवं श्री विजय कुमार, महाप्रबंधक (मा.सं.) एवं श्री टिमी लिंडो, महाप्रबंधक (सी) द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री नंद बसुमतारी, मुख्य महाप्रबंधक(वै./यां) एवं संयंत्र प्रमुख का फुलाम गामोछा से श्री विजय कुमार, महाप्रबंधक (मा.सं.) द्वारा स्वागत किया गया।

श्री विजय कुमार ने अपने स्वागत भाषण के माध्यम से सभा में उपस्थित मुख्य अतिथि सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण का अभिनंदन किया। उसके बाद महाप्रबंधक (मा.सं.) द्वारा राजभाषा हिंदी में किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डालते हुए समारोह में उपस्थित सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने कार्यालय में दैनिक कार्य को हिदी में करने का पूरा प्रयास करें।
हिदी दिवस के अवसर पर माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के संदेश का वाचन श्री जे.एल.दास, महाप्रबंधक (वै./यां.) ने सभी की उपस्थिति में किया।

हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय विद्युत मंत्री एवं नवीन और नवीरकणी ऊर्जा मंत्री, भारत सरकार श्री आ.के.सिंह जी के अपील का वाचन श्री बिजय कुमार, महाप्रबंधक (मा.सं.) ने सभी की उपस्थिति में किया।

त्रिपुरा गैस आधारित पावर स्टेशन, नीपको लि., मोनारचक, त्रिपुरा में हिंदी पखवाड़ा के दौरान समाचार वाचन प्रतियोगिता, हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता एवं अंताक्षरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। टीजीबीपीएस, नीपको, मोनारचक के सभाकक्ष (कांफ्रेंस हाल) में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। यह पुरस्कार हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह के अवसर पर अतिथि श्री नंद बसुमतारी, मुख्य महाप्रबंधक (वै./यां) एवं संयंत्र प्रमुख श्री जे.एल.दास, महाप्रबंधक (वै./यां.), श्री विजय कुमार, महाप्रबंधक (मा.सं.) एवं श्री टिमी लिंडो, महाप्रबंधक (सी.) द्वारा प्रदान किया गया। अपने संबोधन में अतिथि महोदय श्री नंद बसुमतारी, मुख्य-महाप्रबंधक (वै./यां.) एवं पावर स्टेशन प्रमुख ने यह कहा कि भारत में हिंदी ही जनमानस की सम्पर्क भाषा हैं, हमें हिंदी का सम्मान करना चाहिए, जितना हो सके ज्यादा से ज्यादा हिंदी में पत्राचार करने का प्रयास करना चाहिए और कार्यालयीन दैनिक काम-काज में इसे जरूर प्रयोग करना चाहिए।

तुईरियल हाइड्रो पावर स्टेशन, मिजोरम

तुईरियल हाइड्रो पावर स्टेशन, तुईरियल, मिजोरम में हिदी पखवाड़ा 14 सितम्बर, 2022 से 29 सितम्बर 2022 तक बड़े उत्साह से मनाया गया। इसके दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे अनुवाद,नोटिंग/ टिप्पणी लेखन, प्रश्नोत्तरी, अंताक्षरी तथा अन्य हिदी प्रतियोगिताओं का आयाजित की गई और हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर हिंदी ई – पत्रिका लुशाई उजाला अनावरण हुआ जिनमें प्लांट के विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनांक 14 सितम्बर 2022 को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री बिमल कृष्ण चक्रवर्ती, संयंत्र प्रमुख ने संयंत्र के सभी कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक काम करने पर जोर दिया। जिससे की सरकार द्वारा निर्धारित "ग" क्षेत्रों के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। समारोह का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री थियोफिल रोंगमेई, सहायक प्रशासनिक अधिकारी ने किया।

रंगानदी जल विद्युत संयंत्र, याजली

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रंगानदी जल विद्युत स्टेशन, याजली/हौज(अ.प्र.) कार्यालय में दिनांक 14 सितम्बर से 29 सितम्बर, 2022 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह दिनांक 29 सितम्बर, 2022 को प्रशासनिक भवन, सम्मेलन कक्ष में किया गया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान हिन्दी समाचार वाचन, आकस्मिक भाषण, अनुवाद, टिप्पण व प्रारूप लेखन, प्रश्नोत्तरी एवं अन्ताक्षरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

हिंदी दिवस समारोह का आयोजन 14 सितम्बर, 2022 को प्रातः 11.00 बजे किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री परेश चन्द्र बर्मन, संयंत्र प्रमुख, रहप्स, याजली, अरूणाचल प्रदेश द्वारा किया गया। सर्वप्रथम श्री सौगत दास, उप-महाप्रबंधक (मा.सं.) स्वागत किया साथ ही साथ हिंदी को सरकारी कामकाज से ज्यादा से ज्यादा अपनाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन दिनांक 29 सितम्बर, 2022 को प्रशासनिक परिसर, सम्मेलन कक्ष में किया गया। श्री परेश चन्द्र बर्मन, संयंत्र प्रमुख, ने अपने सम्बोधन में हिंदी को एक सरल सहज तथा आम लोगों की भाषा बताया। हिंदी को पूरे भारत में सर्वाधिक बोली जानेवाली एवं विश्व में अपना स्थान रखने वाली भाषा है। उन्होंने समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि आप सभी अधिक से अधिक कार्यालयीन काम में हिंदी का प्रयोग करने का प्रयास करें। श्री मनोहर लाल कुम्हार, महाप्रबंधक (वैद्युत/यांत्रिकी) ने अपने संबोधन में सभी से हिंदी अपनाने के लिए प्रेरित किया। समारोह के अंत में श्री सौगत दास, उप-महाप्रबंधक (मा.सं.) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

असम गैस आधारित विद्युत स्टेशन, बोकुलोनी

असम गैस आधारित विद्युत स्टेशन, नीपको लिमिटेड, बोकुलोनी, असम में 14 सितम्बर, 2022 को हिंदी दिवस मनाया गया। श्री भूपेन्द्र गोस्वामी, संयंत्र प्रमुख महोदय ने प्रदीप प्रज्ज्वलित करके हिंदी दिवस का उद्घाटन किया। समारोह में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि का फुलाम गमछा से स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रीमती संजना मेधी गोस्वामी, वरि. प्रबंधक (मा.सं.) ने स्वागत संबोधन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

श्री भूपेन्द्र गोस्वामी, संयंत्र प्रमुख महोदय ने हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित की जानेवाली हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताओं में सभी को बढ़ चढ़ कर भाग लेने के लिए आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी का प्रयोग देश के विभिन्न प्रांतों में होता है। हमें अपने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ावा देना चाहिए। हिंदी दिवस के अवसर पर अलग-अलग कार्यालयों में हिंदी माह, हिंदी पखवाड़ा तथा हिदी सप्ताह मनाया जाता है और इस दौरान हिंदी के विभिन्न कार्यक्रम चलाए जाते हैं। हम लोग भी अपने कार्यालय में पखवाड़ा के दौरान हिंदी की कई प्रतियोगिताएं आयोजित करते हैं। आप सभी से मेरा आग्रह है कि इन प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें।

इसके पश्चात श्रीमती मेधना काकोती, विवेकानन्द केंद्र विद्यालय की प्रधानाचार्या ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार पौधे को पानी देकर सींचते है, ठीक उसी प्रकार हिंदी को आगे बढ़ाते रहना है। हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह 29 सितम्बर, 2022 को आयोजित किया गया। समारोह का संचालन श्री गोपाल गुप्ता, वरि. हिंदी अनुवादक ने किया तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों का हार्दिक अभिंन्दन भी किया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान हिंदी संगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके पश्चात संयंत्र प्रमुख के कर कमलों द्वारा हिंदी की वार्षिक ई-पत्रिका ''आरोही'' का विमोचन किया। जिसके लिए उन्होंने सभी को बधाई दी। इसके उपरांत विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

अंत में श्रीमती संजना मेधी गोस्वामी, वरि. प्रबंधक (मा.सं.), एजीबीपी, नीपको लि., बोकुलोनी ने सभी कर्मचारियों को हिंदी भाषा को बढ़ावा व सहयोग प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित और धन्यवाद दिया।

पारे हाइड्रो पावर स्टेशन, दोइमुख

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के नीतियों के अनुपालन में पारे हाइड्रो पावर स्टेशन, नीपको लि., दोइमुख कार्यालय में दिनांक 14/09/2022 को हिंदी दिवस तथा दिनांक 16/09/2022 से 29/09/2022 तक हिंदी पखवाड़ा सफलता पूर्वक मनाया गया। दिनांक 14/09/2022 को कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में हिंदी दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका उदघाटन श्री गिरीन कुमार गोगोई, उप-महाप्रबंधक (सिविल) एवं उच्च अधिकारिगण द्वारा प्रदीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। दीप प्रज्वलन के पश्चात, सभी अधिकारियों ने अपना वक्तव्य रखा और सभी को पखवाड़ा/हिन्दी सप्ताह के दौरान ही नहीं बल्कि अपने दैनिक कार्यालयीन काम-काज में भी हिंदी के प्रयोग में गति बढ़ाने के लिए निवेदन किया।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी। प्रतियोगिताओं की श्रंखला हिंदी कविता पाठ से आरंभ होते हुए/टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन/ हिंदी अनुवाद तथा हिंदी निबंध लेखन जैसे प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन दिनांक 29.09.2022 को कार्यालय के सभा कक्ष में किया गया। समारोह के दौरान पारे हाइड्रो पावर स्टेशन की ओर से कार्यालय स्तर पर प्रकाशित की गयी हिन्दी ई-पत्रिका 'पारे प्रवाह'' का पहला अंक का अनावरण संयंत्र प्रमुख, श्री दिलीप कुमार बैश्य, मुख्य महाप्रबंधक (वि./यां) द्वारा किया गया। जिसके पश्चात पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक महोदय ने इस बात पर जोर देते हुए सभी से पुन: अनुरोध किया के वे हिंदी के प्रयोग की गति को बढ़ाने के लिए अपनी ओर से कोशिश जारी रखें।

समारोह के अंत में, श्री ओनि आपुम, उप-महाप्रबंधक (मा.सं.) ने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देते हुए धन्यवाद ज्ञापन कर समापन समारोह सम्पन्न हुई।

पुरस्कार

वर्ष 2021-22 के दौरान राजभाषा के कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), शिलांग-2 द्वारा शील्ड योजना के तहत नीपको के कारपोरेट मुख्यालय को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। दिनांक 28.04.2023 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), शिलांग-2 की बैठक में नीपको के कारपोरेट मुख्यालय को द्वितीय पुरस्कार स्वरूप शील्ड और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। जिसे निगम की ओर से श्री अरुण कुमार प्रधान, प्रबंधक(हिंदी) और श्री महेश कुमार शर्मा, सहायक हिंदी अधिकारी ने प्राप्त किया।

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (नीपको) और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति शिलांग-2 के तत्वावधान में हिंदी स्लोगन प्रतियोगिता और हिंदी कार्यशाला

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कारपोरेट मुख्यालय, शिलांग में 09 अगस्त,2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति शिलांग-2 के तत्वावधान में हिंदी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता और हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में श्री दीपांकर बरूआ,मुख्य महाप्रबंधक(सिविल) एवं अध्यक्ष,नीपको राजभाषा कार्यान्वयन समिति,शिलांग, श्री ए.ए.पी. कुजूर, महाप्रबंधक (मानव संसाधन),राजभाषा, श्री रनदीप चांगकाकोति, महाप्रबंधक (मानव संसाधन),नीपको के साथ-साथ संकाय सदस्य के रूप में श्री राजेश चतुर्वेदी, सदस्य सचिव, नराकास शिलांग-2, भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, शिलांग उपस्थित थे। हिंदी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता और हिंदी कार्यशाला कार्यशाला में उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारियों और सभी प्रतिभागियों का श्री अरूण कुमार प्रधान, प्रबंधक(हिन्दी) ने स्वागत किया।

इस कार्यक्रम में नराकास, शिलांग-2 के विभिन्न सदस्य कार्यालयों (बीएसएनएल, पीजीसीआईएल, पीएनबी, आईसीएआर, आरबीआई, एसबीआई, निग्रिम्स, उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय भार प्रेषण केंद्र, खादी

ग्रामोद्योग आयोग, नवोदय विद्यालय समिति और नाबार्ड) से अनेक अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

श्री दीपांकर बरुआ महोदय ने अपने वक्तव्य के माध्यम से सभी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया और श्री ए.ए.पी. कुजूर महोदय ने राजभाषा के महत्व पर प्रकास डाला। इस दौरान आयोजित कार्यशाला में श्री चतुर्वेदी महोदय ने राजभाषा से संबन्धित नवीनतम जानकारी से अवगत कराया।

यह स्लोगन प्रतियोगिता राजभाषा हिन्दी और विद्‌युत की बचत के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी जिसे ध्यान में रखते हुए स्लोगन का विषय 'राजभाषा हिन्दी' और 'विद्‌युत का विकास' रखा गया था। प्रतियोगिता के अंत में विद्‌युत की बचत के प्रति जागरूकता लाने के लिए सभी प्रतिभागियों को एक-एक एलईडी बल्ब प्रदान किए गए।

अंत में श्री अरुण कुमार प्रधान, प्रबंधक(हिन्दी) ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

दिनांक 22.09.2023 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए समिति के अध्यक्ष श्री दीपांकर बरुआ, मुख्य महाप्रबंधक (सिविल)

राजभाषा संबंधी निरीक्षण

श्री बी.आर. दास, महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वस्थ्य सेवा) की उपस्थिती में कारपोरेट कार्यालय के चिकित्सा अनुभाग का राजभाषा कार्यान्वियन संबंधी निरीक्षण करते हुए श्री अरुण कुमार प्रधान, प्रबंधक (हिंदी)

नीपको का कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर)

अपनी स्थापना के बाद से, नीपको ने हमेशा अपने परिचालन क्षेत्रों में और उसके आसपास रहने वाले लोगों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट इकाई के रूप में, नीपको ने विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, अवसंरचना के विकास और अन्य सामुदायिक आवश्यकताओं के क्षेत्र में विभिन्न सामुदायिक विकास गतिविधियाँ शुरू की हैं।

प्रारम्भ की गई सीएसआर गतिविधियाँ:

वर्षों के दौरान नीपको ने पांच मुख्य डोमेन - स्वास्थ्य और स्वच्छता, शिक्षा को बढ़ावा देने, उद्यमिता विकास कार्यक्रम, ग्रामीण विकास और स्वच्छ भारत अभियान के तहत सीएसआर गतिविधियां शुरू की हैं।

(क) शिक्षा को बढ़ावा: शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नीपको द्वारा की गई गतिविधियों में कक्षाओं के निर्माण से लेकर विभिन्न स्कूलों में कंप्यूटर तथा डेस्क और बेंच का वितरण, छात्रवृत्ति प्रदान करना, लड़कियों के लिए शौचालय और बिजली के पंखे और कंप्यूटर सहित शिक्षण सहायक सामग्री सहित गुणवत्तापूर्ण भौतिक अवसंरचना प्रदान करना शामिल है।

(बख) ग्रामीण विकास: इन गतिविधियों में जल संचयन और जलाशय का निर्माण, सड़कों का विकास, तटबंधों और बाड़ का निर्माण, प्रतीक्षालय, शौचालय, सौर प्रकाश और बिजली की स्थापना और सामुदायिक हॉल का विकास शामिल है।

(ग) स्वास्थ्य और स्वच्छता : इन गतिविधियों में मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर, एम्बुलेंस का दान, पानी की टंकियों का निर्माण, स्वास्थ्य केंद्रों को चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराना और योग कल्याण केंद्रों को वित्तीय सहायता शामिल है।

(घ) उद्यमिता विकास/कौशल विकास कार्यक्रम : छोटी खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों अप या-स्टार्ट/ स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता देने के रूप में बल देना है ।इस दिशा में लाभार्थियों की ओर से कुछ प्रतिक्रिया दिखाई दे रही है, लेकिन इसे अभी लंबा रास्ता तय करना है। यह देखा गया कि लाभार्थियों को प्रशिक्षण के बाद की अवधि में सहायता की आवश्यकता होगी।

भारत सरकार के का समर्थन कर "कौशल भारत विकास मिशन" और "मेक इन इंडिया"ने के लिए, नीपको ने एनएसडीएफ और एनएसडीसी के साथ साझेदारी की। इसके परिचालन क्षेत्रों में और इसके आसपास व्यावसायिक प्रशिक्षण कौशल विकास परियोजनाएं/4 ट्रेडों इलेक्ट्रिकल डोमेस्टिक - सॉल्यूशन, डिस्ट्रीब्यूशन लाइनमैन, टेक्निकल हेल्पर और असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन में शुरू की गईं।

(ङ) स्वच्छ भारत अभियान : स्वच्छ भारत अभियान के एक भाग के रूप में, नीपको ने वर्षों के दौरान स्कूलों, सार्वजनिक स्थानों, पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों पर 328 शौचालयों का निर्माण किया है और कूड़ेदान और सफाई सामग्री, स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, धार्मिक स्थलों आदि पर सफाई अभियान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

(च) आकांक्षी जिला : री-भोई मेघालय- पिछले तीन वर्षों में नीपको ने सीएसआर पहल के तहत मेघालय के रि-भोई जिले के विभिन्न स्थानों/गांवों में 30 स्कूलों और 16 आंगनवाड़ी केंद्रों में अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण किया है।नोंगपोह सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के लिए नीपको द्वारा प्रदान की गई सहायता जिले के लोगों के लिए मददगार रही है, जिन्हें अब जिला सिविल अस्पताल, नोंगपोह में आधुनिक नैदानिक उपकरण और अन्य बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।प्रमुख योगदान के रूप में महामारी के दौरान अस्पताल में ऑक्सीजन पाइपलाइनों के सुविधा को कोविड-19 आइसोलेशन वार्ड तक विस्तार कर कई जानें बचाई गयी। उल्लेखनीय है कि पहली लेप्रोस्कोपिक सर्जरी जिला सिविल अस्पताल, नोंगपोह में सफलतापूर्वक की गई थी और नीपको द्वारा अपनी सीएसआर परियोजना के माध्यम से प्रदान की गई सहायता के कारण सर्जरी प्रक्रिया को संभव बनाया गया था।

(**छ**) **कोविड – 19 महामारी के दौरान सीएसआर गतिविधियाँ :** नीपको ने अपने परिचालन क्षेत्रों और उसके आसपास की जनता को पीपीई आइटम जैसे ट्रिपल लेयर मास्क, हैंड सैनिटाइज़र और लिक्विड हैंड वॉश वितरित किया है। पीपीई किट और फेस मास्क भी उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान संस्थान (निग्रीम्स), शिलांग और गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) को दान किए गए ताकि कोविड -19 से लड़ने के लिए तैनात नगरपालिका कर्मचारियों के बीच वितरण किया जा सके। इसके अलावा अपनी सीएसआर पहल के तहत, नीपको ने पीएम केयर्स फंड में भी योगदान दिया है।

नीपको को महामारी से निपटने के लिए मेघालय राज्य को कोल्ड चेन उपकरण प्रदान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। आवंटन योजना के अनुसार, नीपको ने अपनी सीएसआर योजना के तहत रि-भोई, ईस्ट खासी हिल्स, ईस्ट जयंतिया हिल्स, वेस्ट जयंतिया हिल्स जिले और राज्य की राजधानी शिलांग को सीसीई उपकरण प्रदान किया गया।

पुरस्कार और प्रशंसा

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार ने उन कंपनियों को मान्यता देने के लिए वार्षिक राष्ट्रीय कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पुरस्कारों की स्थापना की, जिन्होंने अपनी अभिनव और सतत सीएसआर पहल के माध्यम से समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। ये पुरस्कार भारत सरकार द्वारा सर्वोच्च राष्ट्रीय स्तर की मान्यता हैं। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय,भारत सरकार ने मेघालय के

आकांक्षी जिले रिभोई में अपने विशिष्ट योगदान के लिए नीपको को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सीएसआर पुरस्कार 2020 का विजेता घोषित किया है। आकांक्षी जिलों/कठिन इलाकों में सीएसआर का पालन हेतु सीएसआर पुरस्कार नीपको को आकांक्षी जिलों, कठिन इलाकों/अशांत क्षेत्रों, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों आदि में उनके सीएसआर प्रयासों के आधार पर मान्यता देने के लिए प्रदान किया गाय है, जो अपने हितधारकों के लिए आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से सतत तरीके से पारदर्शी और नैतिक व्यापार संचालन करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सीएसआर गतिविधियों से संबंधित तस्वीरें:

रवीन्द्रनगर एच.एस.स्कूल, सोनामुरा जिला, त्रिपुरा में डाइनिंग सह बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण

शिलांग विद्युत शवदाहगृह, शिलांग, मेघालय की दूसरी फर्नेस का प्रतिस्थापन

ईएसी परिसर और जनरल ग्राउंड यांगसी, पूर्वी कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश में एलईडी आधारित सौर स्ट्रीट लाइटिंग प्रणाली की स्थापना

WIDEWALLPAPERS.NET

बोरबारी गाँव, नामघर, भदोईपंचाली, डिब्रूगढ़, असम में शौचालय, मूत्रालय और स्नानघर का निर्माण

लियो, वोखा, नागालैंड में फिश हैचरी यूनिट का निर्माण

दोरबार श्नोंग मावसिनराम, ईस्ट खासी हिल्स जिला, मेघालय को 1(एक) कचरा ट्रक वाहन उपलब्ध कराया गया।

क्रिटिकल आईसीयू वेंटिलेटर सिविल, अस्पताल, आइजोल, मिजोरम को प्रदान किए गए

सागाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को दान की गई एम्बुलेंस को श्री नबाम तुकी, माननीय विधायक सागाली (पूर्व मुख्यमंत्री) अरुणाचल प्रदेश द्वारा हरी झंडी दिखाई गई।

मावसमाई, चेरापूंजी, मेघालय में सार्वजनिक शौचालय का निर्माण

आकांक्षी जिला, रिभोई, मेघालय:

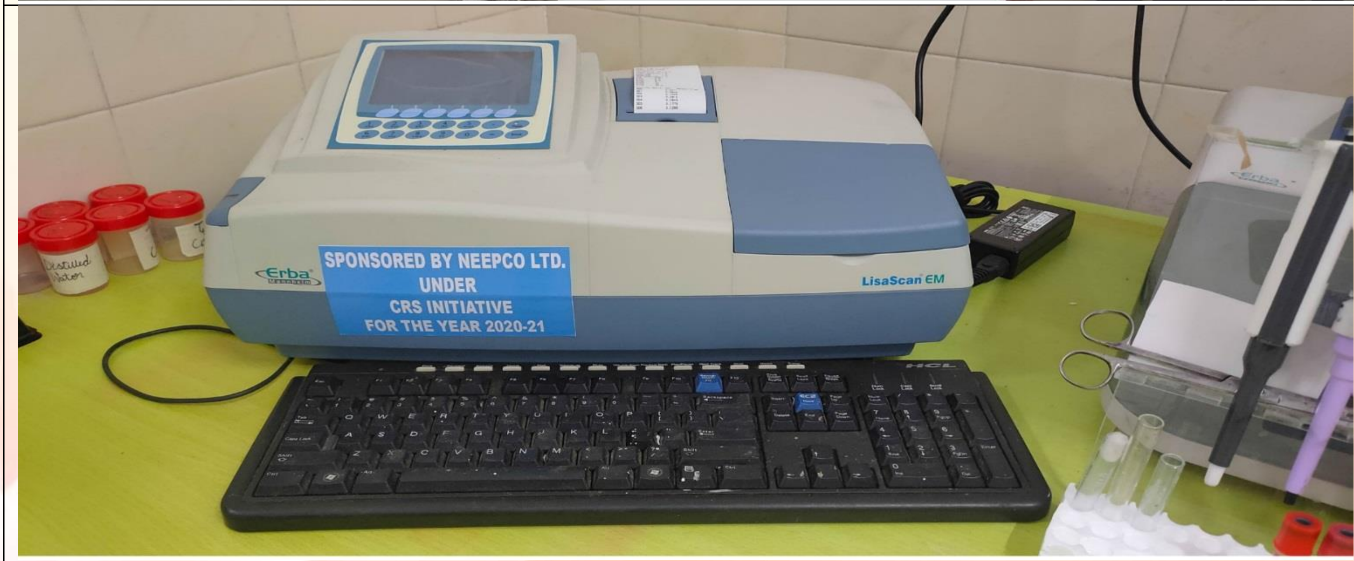

उमलिंग सरकारी एल.पी. स्कूल नोंगपोह, रिभोई जिला, मेघालय

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त

मैथिलीशरण गुप्त आधुनिक हिंदी काव्य के निर्माता थे | राष्ट्रीय-सांस्कृतिक नवजागरण ने हमारी संस्कृति, इतिहास और साहित्य में विश्वास का जो स्वर उत्पन्न किया था, उसकी अधिकाधिक स्पष्ट अभिव्यक्ति, सबसे पहले मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं में ही हुई | उनका जन्म 3 अगस्त, 1886 को चिरगांव, झांसी, उत्तर प्रदेश में एक संभ्रान्त वैश्य कुल के कनकने परिवार में हुआ था |

आरंभिक शिक्षा झांसी के राजकीय विद्यालय में हुई | किन्तु उसमें कवि का मन नहीं रमा और अन्ततः घर पर ही उन्होंने संस्कृत-हिंदी तथा बांग्ला का व्यापक स्वाध्याय किया | एक बार मैथिलीशरण ने कहा था, “मैं क्यों पढ़ाई करूंगा ? पढ़ने के लिए पैदा नहीं हुआ हूं | लोग-बाग मुझे पढ़ेंगे | “ बचपन में कही उनकी यह बात आगे चलकर सही साबित हुई |

मुंशी अजमेरी जी ने उनका मार्गदर्शन किया और उन्होंने 12 वर्ष की अवस्था में ब्रजभाषा में कविता रचना आरंभ की | महादेवी वर्मा, माखनलाल चतुर्वेदी तथा अज्ञेयजी ने मुक्त मन से स्वीकार किया कि उन्होंने खड़ी बोली काव्य के संस्कार मैथिलीशरण गुप्त से ही लिए और वे उन्हें अपना काव्य गुरु मानते थे|

उनकी प्रमुख रचनाएं हैं -

मौलिक काव्य रचनाएं	रंग में भंग, जयद्रथ वध, पद्य प्रबंध, भारत-भारती, शकुन्तला, किसान, पत्रावली, वैतालिक, पंचवटी, स्वदेश संगीत, हिंदु, त्रिपथगा, शक्ति |
गीतिनाट्य	तिलोत्तमा, चन्द्रहास, अनध, गृहस्थ-गीता |
संस्मरण	मुंशी अजमेरी |
श्रद्धांजलि संस्मरण	शब्द चित्र |
अनुदित कृतियां	स्वप्नवासवदत्ता, विरहिणी बृजांगना, पलासी का युद्ध, गीतामृत, वीरांगना |
संस्मरण एवं आत्मकथा	गणेशाजी, आचार्यदेव, अनुज, श्रद्धांजलि, हमारा वृन्दावन |
निबंध एवं समालोचना	हिंदी कविता किस ढंग की हो, बृजनन्द सहाय के उपन्यास |

12 दिसम्बर, 1964 को हृदयगति रुक जाने के कारण 78 वर्ष की आयु में चिरगांव में ही उनका देहावसान हो गया |

आज़ादी का अमृत महोत्सव

नीपको
NEEPCO

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

ब्रूकलैंड कंपाउंड,
लोअर न्यू कॉलोनी,
शिलांग-793 003, मेघालय, भारत